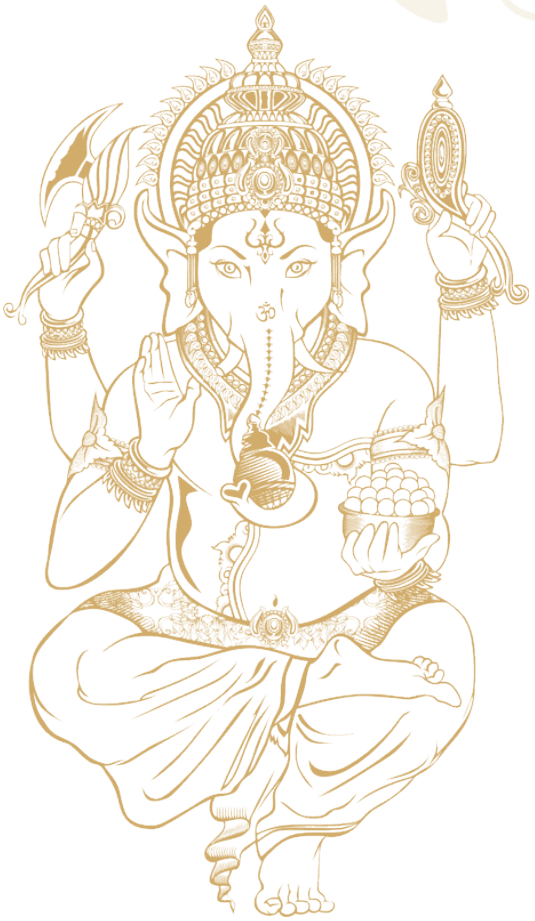

S

16 Mar 2026

11:55 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121784204

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**16/03/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**11:55:00 घंटे**
इष्ट	13:31:59 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:33:52 घंटे
वेलान्तर	-00:08:40 घंटे
साम्पातिक काल	23:09:19 घंटे
सूर्योदय	06:30:12 घंटे
सूर्यास्त	18:29:52 घंटे
दिनमान	11:59:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	01:26:53 मीन
लग्न के अंश	06:43:11 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्ध
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गा-गामिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	06:43:11	329:31:41	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			मीन	01:26:53	00:59:47	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मक	26:33:49	13:00:13	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	16:32:41	00:47:13	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध	व		कुंभ	15:19:47	00:28:22	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	20:54:18	00:01:00	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	17:58:22	01:14:24	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	09:21:42	00:07:27	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कुंभ	14:44:49	00:01:01	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:44:49	00:01:01	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:55:43	00:02:00	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:23:02	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:41:13	00:01:20	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	22:00:28	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

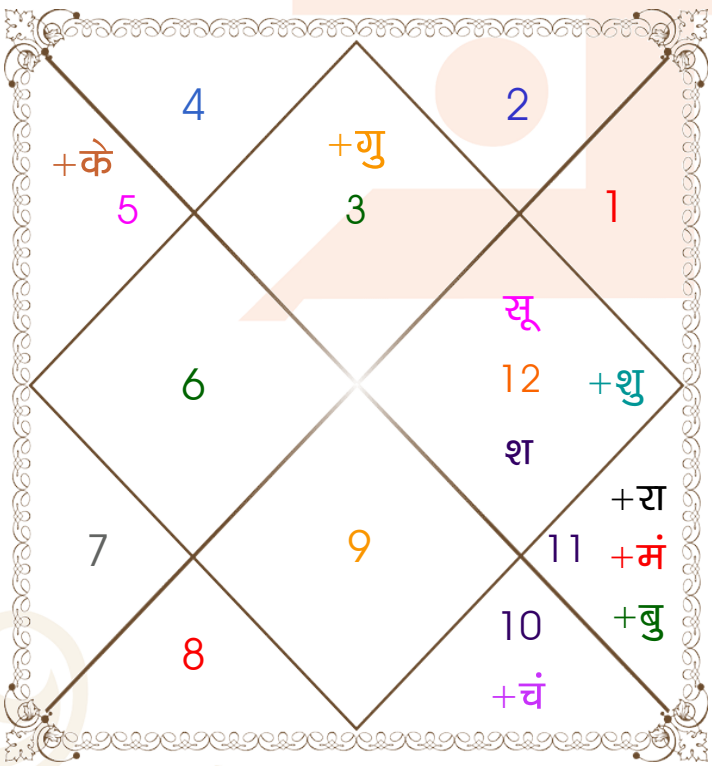

चन्द्र कुंडली

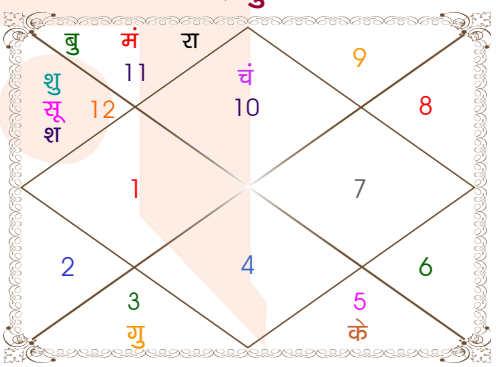

नवमांश कुंडली

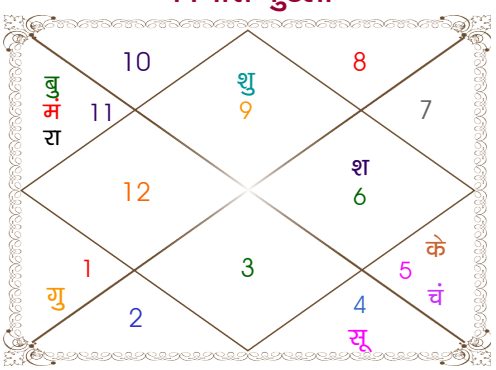

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 3 मास 19 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
16/03/2026		05/07/2031		05/07/2049		05/07/2065		05/07/2084	
05/07/2031		05/07/2049		05/07/2065		05/07/2084		06/07/2101	
	00/00/0000	राहु	17/03/2034	गुरु	23/08/2051	शनि	08/07/2068	बुध	01/12/2086
	16/03/2026	गुरु	10/08/2036	शनि	05/03/2054	बुध	18/03/2071	केतु	28/11/2087
गुरु	25/11/2026	शनि	17/06/2039	बुध	10/06/2056	केतु	26/04/2072	शुक्र	28/09/2090
शनि	04/01/2028	बुध	03/01/2042	केतु	17/05/2057	शुक्र	26/06/2075	सूर्य	05/08/2091
बुध	31/12/2028	केतु	22/01/2043	शुक्र	16/01/2060	सूर्य	07/06/2076	चंद्र	03/01/2093
केतु	29/05/2029	शुक्र	22/01/2046	सूर्य	03/11/2060	चंद्र	06/01/2078	मंगल	31/12/2093
शुक्र	29/07/2030	सूर्य	16/12/2046	चंद्र	05/03/2062	मंगल	15/02/2079	राहु	20/07/2096
सूर्य	04/12/2030	चंद्र	16/06/2048	मंगल	09/02/2063	राहु	22/12/2081	गुरु	26/10/2098
चंद्र	05/07/2031	मंगल	05/07/2049	राहु	05/07/2065	गुरु	05/07/2084	शनि	06/07/2101

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
06/07/2101		06/07/2108		06/07/2128		06/07/2134		06/07/2144	
06/07/2108		06/07/2128		06/07/2134		06/07/2144		00/00/0000	
केतु	02/12/2101	शुक्र	05/11/2111	सूर्य	23/10/2128	चंद्र	06/05/2135	मंगल	02/12/2144
शुक्र	01/02/2103	सूर्य	04/11/2112	चंद्र	24/04/2129	मंगल	05/12/2135	राहु	20/12/2145
सूर्य	09/06/2103	चंद्र	06/07/2114	मंगल	30/08/2129	राहु	05/06/2137	गुरु	17/03/2146
चंद्र	08/01/2104	मंगल	05/09/2115	राहु	24/07/2130	गुरु	05/10/2138		00/00/0000
मंगल	05/06/2104	राहु	05/09/2118	गुरु	13/05/2131	शनि	06/05/2140		00/00/0000
राहु	24/06/2105	गुरु	06/05/2121	शनि	24/04/2132	बुध	05/10/2141		00/00/0000
गुरु	31/05/2106	शनि	06/07/2124	बुध	28/02/2133	केतु	06/05/2142		00/00/0000
शनि	09/07/2107	बुध	06/05/2127	केतु	06/07/2133	शुक्र	05/01/2144		00/00/0000
बुध	06/07/2108	केतु	06/07/2128	शुक्र	06/07/2134	सूर्य	06/07/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 3 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करनी होगी। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होती है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलती रही तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगी। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगी।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहती हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाती हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकती हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेती हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेती हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहती हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करती हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाती। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही है। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेती हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करती हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करती हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहती हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देती हैं। निम्नांकित विन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।